केन्द्र तथा राज्यों में शैक्षिक
विकास कार्य

EDUCATIONAL DEVELOPMENTS
AT THE CENTRE AND IN THE STATES

संक्षिप्त विवरण (मासिक)
मार्च, 1989

A MONTHLY RESUME
MARCH, 1989

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
DEPARTMENT OF EDUCATION

स्कूल शिक्षा

(केन्द्र)

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद्

मार्च, माह 1989 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के कार्यान्वयन से संबंधित अपने कार्यों को जारी रखा । मार्च माह, 1989 के दौरान परिषद् के महत्वपूर्ण पहलुओं में अनौपचारिक शिक्षा तथा आपरेशन ब्लैक बोर्ड, स्कूल स्तर पर शिक्षा की विषय वस्तु तथा प्रक्रिया के पुर्नस्थापन, विज्ञान शिक्षा, नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन शिक्षक शिक्षा, विकलांगों के लिए शिक्षा, महिला समानता शिक्षा, शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा, शैक्षिक मनोविज्ञान तथा मार्गदर्शन एवं शैक्षिक अनुसंधान सहित पूर्व बाल्यकाल रख-रखाव व शिक्षा, प्रारम्भिक शिक्षा से संबंधित कार्यक्रमों/परियोजनाओं का कार्यान्वयन थे ।

प्रारम्भिक बाल्यकाल देखभाल तथा शिक्षा

रा0शै0अनु0 तथा प्र0 परि0 ने राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में प्रारम्भिक बाल्यकाल देखभाल शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए अपने कार्यकलाप जारी रखे । दिल्ली नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में रा0शै0 अनु0प्र0परि0 द्वारा क्रियान्वित की जा रही प्रारम्भिक बाल्यकाल शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत, कक्षा-। से ।।। के छात्रों के लिए अध्ययन परिणामों के मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्रों की तैयारी की पद्धति के लिए इन स्कूलों में शिक्षकों के अनुस्थापन के लिए एक दिवसीय चार बैठकें आयोजित की गईं । इन बैठकों के दौरान छात्रों द्वारा प्राप्त अध्ययनों के न्यूनतम स्तरों को ध्यान में रखते हुए उनके वार्षिक मूल्यांकन के लिए प्रश्नपत्र तैयार किए गये । आकाशवाणी कोटा के सहयोग से रा0शै0अनु0 तथा प्र0 परि0 द्वारा क्रियान्वित रेडियो व्यवहार्यता परियोजना के अन्तर्गत कोटा में कक्षा-। तथा ।। के आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अध्यापकों के लिए 8 से 18 मार्च, 1989 तक पाँच पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किए गए, प्रत्येक की

..../=

अवधि दो दिन की थी । इन कार्यक्रमों में 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओं तथा कक्षा-I तथा II के 50 अध्यापकों ने भाग लिया । इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत सहभागियों को बच्चों के लिए प्रसारण से पूर्व तथा बाद पूर्वाभ्यास का अवसर दिया गया ।

विज्ञान शिक्षा

परिषद् ने स्कूलों में विज्ञान तथा गणित के अध्ययन को सुदृढ़ बनाने से संबंधित अपने कार्यकलाप आरम्भ किए । भौतिकी प्रयोगशाला मैनुअल खण्ड II - भाग-I (कक्षा XII के लिए) की पाण्डुलिपि के पुनरीक्षण के लिए पूना विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में 27 फरवरी से 12मार्च, 198 में एक कार्यशाला आयोजित की गई ।

असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय शिक्षा कालेज भुवनेश्वर द्वारा शिलांग में 3 से 9 मार्च, 1989 तक माध्यमिक स्कूल शिक्षकों के लिए जीव विज्ञान में विषय-वस्तु संवर्धन के लिए एक सेवाकालीन विस्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया । पन्द्रह शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

क्षेत्रीय शिक्षा कालेज भुवनेश्वर द्वारा 6 से 11 मार्च, 1989 तक कक्षा VII से X तक के लिए भौतिक विज्ञान पाठ्यचर्या के लिए ज्ञानात्मक मांग वर्गीकरण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई । के०मा०शि०बो० से जुड़े तथा उड़ीसा में स्थित स्कूलों के 22 अध्यापकों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

क्षेत्रीय शिक्षा कालेज, भुवनेश्वर द्वारा इम्फाल में 6 से 13मार्च, 1989 तक मणिपुर के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के लिए गणित में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । मणिपुर से पच्चीस प्रमुख व्यक्तियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

.../=

क्षेत्रीय शिक्षा कालेज, भुवनेश्वर द्वारा 13 से 27 मार्च, 1989 तक केन्द्रीय तिब्बती स्कूल प्रशासन के अध्यापकों के लिए विज्ञान तथा गणित में विषय-वस्तु संवर्धन के लिए एक अनुस्थापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। देश के विभिन्न भागों में स्थित केन्द्रीय तिब्बती स्कूलों के बाईस अध्यापकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

क्षेत्रीय शिक्षा कालेज, अजमेर द्वारा 13 से 17 मार्च, 1989 तक उदयपुर में ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान शिक्षा पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। उन्नीस प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

परीक्षा सुधार

रा०शै०अनु०प्र०परि० ने स्कूलों में मूल्यांकन व्यवहार्यता के सुधार से सम्बन्धित अपने कार्यकलाप जारी रखे। आगरा में 7 से 14 मार्च, 1989 तक कक्षा IX के लिए खुली पुस्तक परीक्षा हेतु जीव विज्ञान के नमूना प्रश्नों के विकास के लिए एक 8 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। देश के विभिन्न भागों से 24 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

6 से 10 मार्च, 1989 तक नई दिल्ली में कक्षा VII के लिए विज्ञान में रचनात्मक मूल्यांकन की योजना के विकास के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। 9 राज्यों तथा संघशासित प्रदेशों से इक्कीस प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया। सहभागियों में स्कूल शिक्षक कालेज शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षकों तथा राज्यों के शै०अनु० प्र० परि० का स्टाफ शामिल था।

शिक्षा का व्यवसायिकरण

रा०शै०अनु० प्र० परि० ने माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायिकरण की केन्द्र प्रायोजित योजना की सहायता से सम्बन्धित अपने कार्यकलापों को जारी रखा। 25 फरवरी से एक मार्च, 1989 तक लखनऊ में शिक्षा के व्यवसायिकरण की केन्द्र प्रायोजित योजना के अन्तर्गत आने वाले संस्थानों के प्रिंसिपलों के लिए शिक्षा के व्यवसायिकरण पर दो चरणों में एक अनुस्थापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुस्थापन कार्यक्रम के प्रत्येक चरण में लगभग 100 प्रिंसिपलों ने भाग लिया।

.../=

विकलांगों के लिए शिक्षा

रा0शै0अनु0प्र0परि0 ने विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा योजना को सहायता देने से सम्बन्धित विभिन्न कार्यकलाप आरम्भ किये। 27 फरवरी से 3 मार्च, 1989 तक पूअर लोकोमोटर कन्ट्रोल से बच्चों को देवनागरी लिपि पढ़ाने के लिए संगणक कार्यक्रमों के विकास के लिए एक कार्यदल की बैठक आयोजित की गई। इस कार्यशाला में भाषाविदों, विशेष शिक्षा तथा कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के 10 विशेषज्ञों ने भाग लिया। रा0शै0अनु0प्र0परि0 ने प्राईमरी स्कूलों में पढ़ रहे विकलांग बच्चों के लिए अनुदेशात्मक सामग्री के पुनरीक्षण के लिए एक कार्यदल की बैठक आयोजित की । 9 से 11 मार्च, 1989 तक आयोजित बैठक में विकलांगता के क्षेत्र का पता लगाने के विशेषज्ञ, विशेष प्रशिक्षक तथा प्राईमरी स्कूल शिक्षकों सहित 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिक्षक शिक्षा तथा विशेष शिक्षा के विशेषज्ञों के एक अन्य कार्यकारी दल का आयोजन 8 से 10 मार्च, 1989 तक नई दिल्ली में सामान्य शिक्षकों के सेवा पूर्व प्रशिक्षण के लिए विशेष शिक्षा पर प्रशिक्षण माड्यूलों के विकास के लिए किया गया।

यूनिसेफ की सहायता-प्राप्त विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा परियोजनाओं के अन्तर्गत क्षेत्रीय शिक्षा कालेज, भोपाल विकलांग बच्चों के शिक्षा पाठ्यक्रम हेतु एक 6 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस पाठ्यक्रम में सैंतालीस शिक्षक भाग ले रहे हैं।

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श तथा मार्गदर्शन करना

रा0शै0अनु0प्र0परि0 ने 13 से 18 मार्च, 1989 तक कलकत्ता में प्रारम्भिक स्कूली बच्चों में पहचान बनाने पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। असम, मणिपुर, नागालैण्ड, उड़ीसा, सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल राज्यों से चौतीस सहभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

शैक्षिक अनुसंधान

क्षेत्रीय शिक्षा कालेज, अजमेर में 28 मार्च से 4 अप्रैल, 1989 तक रा०शै०अनु०प्र०परि० द्वारा प्रणाली विज्ञान पाठ्यक्रम पर एक अनुसंधान आयोजित किया जा रहा है ।

रिपोर्टाधीन माह के दौरान रा०शै०अनु०प्र०परि० की शैक्षिक अनुसंधान तथा नवीनीकरण समिति ने वित्तीय अनुदान प्रदान करके सहायक अनुसंधान परियोजनाएँ जारी रखी । शै०अनु० तथा नवी०समि० द्वारा वित्तीय अनुदान के लिए प्राप्त अनुसंधान प्रस्तावों की संवीक्षा के लिए शै०अनु० तथा नवीनी० समि० की उप समिति की 16वीं बैठक 27 मार्च, 1987 को आयोजित हुई ।

(राज्य)

महाराष्ट्र

पुनरीक्षण कार्यशालाएँ

इस माह के दौरान नए संशोधित पाठ्यचर्या के अनुसार पाठ्यपुस्तकों/शिक्षक हैण्ड बुक्स के पुनरीक्षण के लिए निम्नलिखित कार्यशालाएँ आयोजित की गईं ।

2.3.1989	उर्दू बाल भारती कक्षा-I (पाठ्यपुस्तक और शिक्षक हैण्ड बुक)
23.3.1989 से 25.3.1989	कार्य अनुभव (शिक्षक हैण्ड बुक कक्षा-I और II के लिए)

शिक्षकों/विशेषज्ञों से प्राप्त टिप्पणियों और सुझावों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यपुस्तकों/शिक्षक हैण्ड बुक संशोधित की जा रही हैं ।

.../=

प्रौढ़ शिक्षा

(केन्द्र)

प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय में टी०डी० पैनल की चौथी बैठक आयोजित की गई। प्रबन्ध के लिए राष्ट्रीय उद्योग विकास निगम की सेवाओं का उपयोग तथा कुछ टी०पी०आई० मदों के वितरण, श्रव्य कैसेटों की खरीद सूचना पुनः प्राप्ती प्रणाली के विकास के लिए प्रस्तावों सहित निर्णयों को मंजूरी दी गई।

यूनीसेफ सहायता प्राप्त परियोजना "महिलाओं तथा बालिकाओं के लिए शिक्षा" के कार्यकलापों की योजना को अन्तिम रूप देने के लिए एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विचाराधीन मुद्दों में से एक था, प्रौढ़ शिक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रिंट, दृश्य तथा श्रव्य दृश्य सामग्रियों के निर्माण में किस प्रकार यूनीसेफ की सहायता प्राप्त की जाये।

अधिकारियों के एक दल ने नई दिल्ली की कैलाश कालोनी के विज्ञान तथा पर्यावरण केन्द्र का दौरा किया। "पर्यावरण का संरक्षण" पर प्रौढ़ शिक्षा कर्मियों के अनुस्थापन कार्यक्रम के आयोजन में केन्द्र की विशेषज्ञता तथा अनुभव के उपयोग की संभावनाओं का अध्ययन करने के लिए था।

इलेक्ट्रोनिक, व्यापार तथा प्रौद्योगिकी विकास निगम लि० नई दिल्ली द्वारा प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय में "जिन्दगी चाबी" नामक एक वीडियो फिल्म तैयार की गई। फिल्म को अन्तिम रूप दिये जाने के लिए पुनः देखा गया।

तकनीकी शिक्षा

(केन्द्र)

भा०प्रौ०सं०परिषद की बैठक

भा०प्रौ०सं० परिषद की 28 वीं बैठक 7 मार्च,1989 को नई दिल्ली में आयोजित की गई ।

मानव संसाधन विकास मंत्री ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सभापति की हैसियत से नए संस्थानों की स्थापना तथा चालू संस्थानों में पाठ्यक्रमों की शुरुआत के लिए निम्नलिखित प्रस्तावों को मंजूरी दी :

नए संस्थानों की स्थापना

क्र०सं०	संस्थान का नाम	पाठ्यक्रम	भरती
1.	राजकीय पॉलिटेक्निक बरनाला, पंजाब	1. सिविल इंजीनियरी	60
		2. विद्युत इंजीनियरी	30
		3. इलेक्ट्रोनिकी तथा संचार इंजीनियरी	30
		4. यांत्रिक इंजीनियरी	60
2.	जनता पॉलिटेक्निक जहाँगीराबाद (उ०प्र०)	1. विद्युत इंजीनियरी	30
		2. इलेक्ट्रोनिकी तथा संचार इंजीनियरी	30
		3. वास्तुकला सहायक	30
		4. फार्मेसी	30
		5. आशुलिपि व सचिवालय व्यवहार	30

नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत

क्र0सं0	पाठ्यक्रम का नाम	संस्थान का नाम	भरती
1.	शल्यकर्म एवं नियंत्रण इंजी0	धर्म सिन्हा देसाई प्रौद्योगिकी संस्थान, नदियाद	30
2.	पर्यावरणीय इंजीनियरी	एस0जे0इंजीनियरी कालेज, मैसूर	30
3.	पालिमर विज्ञान व प्रौद्योगिकी	-वही-	20
4.	इलेक्ट्रानिकी व उपस्करण	सम्राट अशोक प्रौद्योगिकीय संस्थान, विदिशा, म0प्र0	30
5.	पैट्रोरसायन इंजीनियरी	इंजीनियरी कालेज, लोनार (महाराष्ट्र)	30
6.	एम0सी0ए0	इंजीनियरी व प्रौद्योगिकी संस्थान	30
7.	एम0सी0ए0	राजकीय इंजीनियरी कालेज, रीवा	30
8.	एम0सी0ए0	एस0एन0डी0टी0 महिला विश्वविद्यालय बंबई	30
9.	एम0सी0ए0	एच0बी0टी0आई0, कानपुर	30
10.	एम0सी0ए0	इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान, तलचर	30
11.	इलेक्ट्रानिकी व रेडियो इंजीनियरी	बी0एण्ड बी0पालिटेक्निक वल्लभ विद्यानगर	30
12.	कम्प्यूटर इंजीनियरी	-वही-	30

इंजीनियरी कालेजों में आधुनिकीकरण तथा अप्रचलित वस्तुओं को हटाना

आधुनिकीकरण व अप्रचलित वस्तुओं को हटाने की योजना के अंतर्गत 67 इंजीनियरी व उच्च प्रौद्योगिकीय संस्थानों को 970 लाख रूपये की राशि की मंजूरी जारी की गई है । इन संस्थानों में क्षेत्रीय इंजीनियरी कालेज, विश्वविद्यालयों की प्रौद्योगिकीय संकाय, राज्य इंजीनियरी कालेज व गैर-सरकारी मान्यता प्राप्त संस्थान शामिल हैं ।

तकनीकी शिक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र

(क) नई और/अथवा संशोधित प्रौद्योगिकी के कार्यक्रम तथा विशेषज्ञता क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू करना

(लाख रुपये में)

प्रौद्योगिकी क्षेत्र	संस्थानों की संख्या	जारी किए गए अनुदान की राशि
1. अतिरिक्त उच्च वोल्टेज डी०सी०ट्रांसमिशन	1	9.75
2. न्यूक्लीय शक्ति प्रतिकर्मी प्रौद्योगिकी	1	15.00
3. महासागर इंजीनियरी अनुप्रयोग	1	22.00
4. अंडरवाटर वैल्डिंग प्रौद्योगिकी	1	30.00
5. निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री तथा मकान में कम लागत प्रौद्योगिकी	4	38.40
	8	115.15 लाख

(ख) उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे की रचना

1. माइक्रोप्रोसेसर अनुप्रयोग	19	116.00
2. लेजर प्रौद्योगिकी	5	95.00
3. सी०ए०डी०/सी०ए०एम०, रोबोटिक्स आर्टिफिशियलइंटेलिजेंस, माइक्रो-प्रोसेसर	29	388.51
	54	599.51 लाख

(ग) (संकटकालीन/नाजुक) आवश्यकताओं के क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार

1. उद्यमशीलता	7	77.30
2. [illegible]	10	87.95
	17	165.25 लाख

महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए कुल : 879.91 लाख रुपये

यह मंजूरी पूरक अनुदानों के लिए वर्ष 1988-89 के लिए सामान्य बजट राशि के अलावा जारी की गई थी ।

<u>इंजीनियरी प्रौद्योगिकी व प्रबंध संस्थानों में अनुसंधान तथा विकास</u>

एक विस्तृत विषय क्षेत्रों की अनुसंधान व विकास परियोजनाओं की सहायता के लिए प्रौद्योगिकीय विश्वविद्यालयों तथा (भा०इं०का० की) सहित 4 इंजीनियरी व प्रौद्योगिकी कालेजों के लिए 60 लाख रुपये की राशि/मंजूरी जारी की गई । यह मंजूरी वर्ष 1988-89 के लिए सामान्य बजट राशि के अलावा जारी की गई थी ।

<u>राष्ट्रीय शैक्षिक आयोजना व प्रशासन संस्थान</u>

क. प्रशिक्षण

<u>डिप्लोमा पाठ्यक्रम</u>

<u>जिला शिक्षा अधिकारियों का नवां पूर्व अधिष्ठापन डिप्लोमा पाठ्यक्रम (पहली नवम्बर, 1988 से 30 अप्रैल, 1989) (जारी)</u>

उक्त पाठ्यक्रम का प्रथम चरण समाप्त हो गया है । सहभागियों के संबंधित क्षेत्रों में परियोजना कार्य का द्वितीय चरण प्रगति पर है । (स्कूल अनौपचारिक शिक्षा एकक)

<u>शैक्षिक आयोजना व प्रशासन में पांचवां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (14 जनवरी से 13 जुलाई 1989)</u>

तृतीय विश्व देशों के अधिकारियों के लिए छः माह की अवधि का पांचवां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा प्रगति पर है ।

कार्यक्रमों में अफगानिस्तान, बंगलादेश, क्यूबा, इथोपिया, घाना, जोर्डन, लाओ, मलावी, नेपाल, नाइजीरिया, फिलीपीन्स, सीरिया, श्रीलंका, त्रिनिडाड व टोबेगो, युगांडा तथा जिम्बाब्वे जैसे 16 तृतीय विश्व देशों के 31 सहभागी भाग ले रहे हैं ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शैक्षिक आयोजन व प्रबंध की विकेन्द्रीयकृत प्रणाली तथा स्कूल मैपिंग पर गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के विशेष संदर्भ सहित नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर शैक्षिक आयोजकों व प्रशासकों के लिए अनुस्थापन कार्यक्रम (6 से 10 मार्च, 1989)

संस्थान ने, रा0शि0नी0 1986 में आयोजन व प्रबंध को विकेन्द्रीकृत प्रक्रिया से संसाधन व्यक्तियों को अवगत कराने के लिए दो अनुस्थापन कार्यक्रम आयोजित किए । ये संसाधन व्यक्ति बाद में अपने राज्यों में प्रशिक्षण आयोजित करेंगे । कार्यक्रम के उद्देश्य थे : शैक्षिक आयोजन व प्रबंध की विकेन्द्रीयकृत प्रणाली के विशेष संदर्भ में रा0शि0नी0 के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना ; महत्वपूर्ण क्षेत्रों व उनकी क्रियान्वयन कार्यनीतियों पर ध्यान केन्द्रित करना ; तथा सहभागियों को नवीन ढाँचों व प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका समझने योग्य बनाना ।

लक्षद्वीप के शिक्षा अधिकारियों, संस्थाध्यक्षों व शिक्षकों के लिए संस्थागत आयोजन व गुणवत्ता सुधार में दूसरा प्रशिक्षण-सह-भ्रमण कार्यक्रम (8 से 22 मार्च, 1989)

संस्थान ने लक्षद्वीप के शिक्षा अधिकारियों, संस्थान प्रमुखों तथा शिक्षकों के लिए निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ एक प्रशिक्षण सह-दौरा कार्यक्रम आयोजित किया : सहभागियों को प्रारंभिक स्तर पर संस्थागत आयोजन के बारे में अवगत कराना ; दौरों, अवलोकनों व अन्तःक्रिया के माध्यम से शिक्षक प्रभावशीलता के संबंध में नवीन विचारों व उपायों से सहभागियों को अंतरदृष्टि प्राप्त करने में मदद करना ; शिक्षण अध्ययन प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए उनकी क्षमता बढ़ाना ; शैक्षिक प्रक्रिया तथा शिक्षा की गुणवत्ता में शिक्षकों की भूमिका में गुणात्मक सुधार के लिए सहभागियों को एक कार्यनीति योजना विकसित करने योग्य बनाना ।

कार्यक्रम में लक्ष्यद्वीप से 26 सहभागियों ने भाग लिया ।

साक्षरता अभियान के स्वयंसेवकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तोरू (दूह) हरियाणा (11 मार्च, 1989)

समुदाय अग्रेताओं के लिए संवेदनीकरण कार्यक्रम की श्रृंखला में हरियाणा के गुड़गाँव जिले के पुनहाना खण्ड के 20 गाँवों में नीपा की कार्रवाई अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत एक अन्य एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, गुड़गाँव तहसील में कार्रवाई योजना के भाग के रूप में 11 मार्च, 1989 को आयोजित किया गया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थे : स्वयंसेवियों को अध्ययन सामग्रियों तथा सामग्री के प्रयोग की पद्धति से अवगत कराना ; चेतना जागृत करना तथा प्रशिक्षकों को प्रौढ़ों के शिक्षण से जुड़े शिक्षा शास्त्रीय व्याख्यान के बारे में बताना ।

कार्यक्रम में हरियाणा के गुड़गाँव जिले के तोरू खण्ड के तीन गाँवों से 25 पशुपालकों तथा स्वयंसेवियों ने भाग लिया ।

कार्यशाला

शिक्षा के लिए कम्प्यूटरीकृत एम0आई0एस0 पर राज्य अनौपचारिक शिक्षा निदेशकों की प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला (10 व 11 मार्च, 1989)

परियोजना कोष (शिक्षा के लिए कम्प्यूटरीकृत आयोजन) में विभिन्न राज्यों के अनौपचारिक शिक्षा निदेशकों के लिए सहभागियों को कोष के कार्यक्षेत्र व भविष्य के निर्देशों के साथ अवगत कराने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण सह-कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यक्रम में आन्ध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों व संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ से 17 सहभागियों ने भाग लिया ।

सी०ई०सी० के निदेशकों तथा उच्च शिक्षा निदेशकों के लिए आयोजन व प्रबंध, कालेज विकास परिषद में सेमिनार सह-कार्यशाला (27 से 29 मार्च, 1989)

वि०अनु०आ० के अनुरोध पर संस्थान ने परिप्रेक्ष्य विकास योजना की तैयारी तथा नए कालेज खोलने के उद्देश्य से कालेज विकास परिषदों के डीनों तथा उच्च शिक्षा निदेशकों के लिए एक सेमिनार सह-कार्यशाला का आयोजन किया ; पूर्व स्नातक पाठ्यक्रमों की पुनर्डिजाइनिंग तथा पुनर्संरचना ; क्षेत्र की सामाजार्थिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा संस्थानों का विस्तार ; सी०ई०सी०, कालेज, राज्य सरकार, विश्वविद्यालय तथा वि० अनु०आ० के बीच समन्वय की पद्धति व कार्यनीतियाँ ; सी०ई०सी०द्वारा उनकी भूमिका के प्रभावी कार्यकरण में आने वाली समस्याओं व मुश्किलों पर चर्चा करना ; तथा कालेज शिक्षा से संबंधित नीतियों व कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में प्रभावी भूमिका अदा करने के लिए आयोजन व प्रबंध कार्यनीतियाँ निर्धारित करना ।

कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से 27 सहभागी उपस्थित हुए ।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान व हरियाणा राज्यों में कोप (शिक्षा के लिए कम्प्यूटरीकृत आयोजन) के कार्यान्वयन के लिए इलेक्ट्रानिक एजेंसियों के लिए प्रशिक्षण सह-कार्यशाला (10 व 31 मार्च, 1989)

कोप परियोजना द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए 4 इलेक्ट्रानिक एजेंसियों जिनके नाम हारट्रोन, अपट्रॉन, राजस्थान कम्प्यूटर निदेशालय व एन०आई०आई०टी० हैं ; के लिए एक प्रशिक्षण सह-कार्यशाला आयोजित की गई : निर्माणों तथा साफ्टवेयर पर प्रशिक्षण ; परियोजना का कार्य क्षेत्र तथा इसके कार्यान्वयन से संबंधित भेद, क्षेत्र की सम्भावित समस्याएं तथा उनका निदान ।

एजेंसियों ने प्रत्येक दूसरे दिन यह बताने के लिए कि वे कैसे अपने संबंधित राज्य में कोप क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं ; कार्यशाला के कार्यवृत्त पर एक प्रस्तुतीकरण पेश किया ।

कार्यशाला एक प्रश्नोत्तर सत्र के बाद समाप्त हुई जो सभी के लिए खुला था ।

SCHOOL EDUCATION

(Centre)

National Council of Educational Research and Training

During the month of March 1989, the National Council of Educational Research and Training (NCERT), continued its task related to the implementation of the National Policy on Education - 1986. Implementation of the Programmes/Projects and activities related to Early Childhood Care Education, Elementary Education, including Non-Formal Education and Operation Blackboard, Reorientation of the Content and Processes of Education at the School Stage, Science Education, Selection of Students for Admission to Navodaya Vidyalayas, Teacher Education, Education of the Disabled, Education for Womens Equality, Education of the Educationally Backward Minorities, Educational Psychology and Guidance, and Educational Research constituted some of the important aspects of the Council's work during the month of March 1989.

Early Childhood Care and Education

The NCERT continued its activities directed towards strengthening the Early Childhood Care and Education Programme in the State/Union Territories. Under the Early Childhood Education Project, being implemented by the NCERT in the schools run by the Municipal Corporation of Delhi, four 1-day meetings were organised to orient the teachers in these schools to the methodology of preparation of question papers for evaluation of the learning outcomes in respect of students in classes I to III. During these meetings, question papers for the annual evaluation of the students were prepared keeping in view the minimum levels levels of learning to be attained by them.

Under the Radio Feasibility Project being implemented by the NCERT in collaboration with the All India Radio Station at Kota, five refresher programmes, each of two days duration, were organised at Kota from March 8 to 18, 1989 for Anganvadi workers and teachers of classes I and II. These

contd...2.

A workshop on Science Education for Rural Development was organised at Udaipur by the Regional College of Education, Ajmer, from March 13 to 17, 1989. Nineteen participants attended the workshop.

Examination Reform

The NCERT continued its activities directed to improve the evaluation practices in schools. An 8-day workshop was organised to develop sample questions in Biology for Open Book Examination for Class IX from March 7 to 14, 1989 at Agra. The workshop was attended by 24 participants from different parts of the country.

A workshop to develop a scheme on formative evaluation in Science for class VII was organised at New Delhi from March [illegible] to 10, 1989. Twenty one participants from 9 States and Union Territories participated in this workshop. The participants included school teachers, college teachers, teacher educators and staff of SCERTs.

Vocationalisation of Education

The NCERT continued its activities to support the Centrally-Sponsored Scheme of Vocationalisation of Secondary Education. An orientation programme on vocationalisation of education for the principals of institutions covered under the Centrally Sponsored Scheme on Vocationalisation of Education was organised from February [illegible] to March 1, 1989, in two phases at Lucknow. About 100 principals attended the orientation programme in each phase.

Education of the Disabled

The NCERT carried out several activities to support the scheme of Integrated Education of the Disabled. A Working Group Meeting was organised from February 27 to March 3, 1989 to develop computer programmes for teaching Devnagari script to children with poor locomotor control. This Workshop was attended by 10 experts in linguistics, special education and computer programming.

contd...4.

The NCERT organised a Working Group Meeting to review instructional materials for primary school learning disabled children. The workshop, held from March 9 to 11, 1989, was attended by 27 participants including experts in the area of learning disabilities, special educators and primary school teachers.

Another Working Group of experts of teacher education and special education was held at New Delhi from March 8 to 10, 1989 to develop training module on special education for pre-service training of general teachers.

Under the UNICEF assisted Project Integrated Education for the Disabled, the Regional College of Education, Bhopal, is organising a 6-week training course on education of the disabled children. Forty seven teachers are attending this course.

Educational Psychology, Counselling and Guidance

The NCERT organised a Training Course on Identification of Creative Potential in Elementary School Children from March 15 to 18, 1989 at Calcutta. Thirty four participants from the States of Assam, Manipur, Nagaland, Orissa, Sikkim and West Bengal attended the course.

Educational Research

A Research Methodology Course is being organised by the NCERT from March 28 to April 4, 1989 at the Regional College of Education, Ajmer.

During the month under report, the Educational Research and Innovations Committee of the NCERT continued to support research projects by giving financial grant. The 16th ERIC Sub-Committee Meeting was held on March 27, 1989 to scrutinise theresearch proposals received for financial grant by the ERIC.

contd...5.

(States)

Maharashtra

Review Workshops: The following Workshops were organised during the month to review the textbooks/teacher's handbooks produced newly according to the revised syllabus:

2.3.1989	Urdu Balbharati Std.I (Text Books & Teacher's Handbook)
23.3.1989 to [illegible]	Work Experinece (Teacher's Handbook for Stds.I & II)

The textbooks/teacher's handbooks are being revised in the light of the comments and suggestions received from the teachers/experts.

ADULT EDUCATION

(Centre)

Fourth meeting of the TD Panel was held in the Directorate of Adult Education. Decisions including availing of the services of National Industrial Development Corporation (NIDC) for procurement and distribution of certain TPT items, purchase of Audio Cassettes, proposal to develop information Retrieval System, etc. were approved.

A one day meeting to finalise plan of Activities of the UNICEF assisted project 'Education for Women and Girls' was convened. One of the points considered in the meeting was how to get UNICEF's assistance in producing some of the print, visual and audio-visual materials needed for the training of AE functionaries.

A team of officers visited the Centre for Science and Environment, Kailash Colony, New Delhi, to study the possibility of utilising the expertise and experiences of the centre in organising orientation programmes to AEs functionaries on "Conservation of Environment".

contd...7.

A video film "Jitgi Channo" has been prepared by Electronic Trade & Technology Development Corporation Ltd., New Delhi for the Directorate of Adult Education. The film was previewed for finalisation.

TECHNICAL EDUCATION

(Centre)

MEETING OF THE COUNCIL OF IITs

The 28th meeting of the Council of IITs was held in New Delhi on March 7, 1989.

The Minister of Human Resource Development in his capacity as Chairman, All India Council for Technical Education has approved the following proposals for establishment of new institutions and introduction of courses in existing institutions:

ESTABLISHMENT OF NEW INSTITUTIONS

Sl. No.	Name of the Institution	Courses	Intake
1.	Government Polytechnic, [illegible], Punjab.	1. Civil Engineering	60
		2. Electrical Engineering	30
		3. Electronics & Communication Engineering	30
		4. Mechanical Engineering	60
2.	Janta Polytechnic, Jahangirbad(U.P.)	1. Electrical Engineering	30
		2. Electronics & Communication	30
		3. Architectural Assistantship	30
		4. Pharmacy	30
		5. Stenography & Secretarial Practice	30

contd...6.

INTRODUCTION OF NEW COURSES

S. No.	Name of the Course	Name of the Institution	Intake
1.	Instrumentation & Control Engineering	Dharm Sinha Desai Institute of Technology, Nadiad.	30
2.	Environmental Engineering	S.J.College of Engineering [illegible]	30
3.	Polymer Science and Technology	-do-	20
4.	Electronics and Instrumentation	Samrat Ashok Technological Institute, Vidisha, MP.	30
5.	Petro Chemical Engineering	Engineering College, Lonere (Maharashtra)	30
6.	M.C.A.	Institute of Engineering & Technology	30
7.	M.C.A.	Government Engineering College, Rewa	30
8.	M.C.A.	SNDT Women's University, Bombay	30
9.	M.C.A.	H.B.T.I., Kanpur	30
10.	M.C.A.	Indira Gandhi Institute of [illegible]	30
11.	Electronics and Radio Engineering	[illegible]	30
12.	Computer Technology	[illegible]	30

contd...9.

MODERNISATION AND REMOVAL OF OBSOLESCENCE OF ENGINEERING COLLEGES

Sanctions were issued to 67 Engineering and Higher Technological Institutions for an amount of Rs.970 lakhs under the Scheme of Modernisation and Removal of Obsolescence. These Institutions include Regional Engineering Colleges, Technology Faculties of Universities, State Engineering Colleges and recognised Non-Government Institutions.

THRUST AREAS OF TECHNICAL EDUCATION

(A) Programmes of new and/or improved technologies and offering new courses in specialised fields

(Rs. in lakhs)

Area of Technology	No.of Institutions	Amount of grant released
1. Extra High Voltage DC Transmission	1	9.75
2. Nuclear power reactor Technology	1	15.00
3. Ocean Engineering Application.	1	22.00
4. Underwater welding Technology.	1	30.00
5. Alternate Material for Construction & Low Cost Technology in Housing.	4	38.40
	8	115.15 lakhs

(B) Creation of infrastructure in Areas of Emerging Technology

1. Microprocessor Application	19	116.00
2. Education Technology	6	95.00
3. CAD/CAM, Robotics, Artificial Intelligence, Micro-processors	29	385.51
	54	599.51 lakhs

contd...10.

(C) Expansion of facilities in areas of critical needs

1. Entrepreneurship	7	77.30
2. Ergonomics	10	87.95
	17	165.25 lakhs

Total for Thrust Areas : Rs.879.91 lakhs

These sanctions were issued for supplementary grants over and above a normal budgeted amount for the year 1988-39.

RESEARCH AND DEVELOPMENT IN INSTITUTIONS OF ENGINEERING TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

Sanction were issued amounting to Rs.60 lakhs in favour of 4 Colleges of Engineering and Technology including Technological Universities and RECs towards support for Research and Development projects over a wide range of subject areas. These sanctions were issued over and above the normal budgeted amount for the year 1988-89.

NATIONAL INSTITUTE OF EDUCATIONAL PLANNING AND ADMINISTRATION

A. TRAINING

DIPLOMA COURSE

Ninth Pre-induction Diploma Programme of District Education Officers, (November 1, 1988 to April 30, 1989) (On-going)

First phase of intensive course work is over. Second phase consisting of the Project Work in the respective areas of the participants is in progress. (School Non-formal Education Unit).

contd...11/-

Fifth International Diploma in Educational Planning and Administration (January 14-July 13, 1989).

The fifth International Diploma of Six-month duration for officers of Third World Countries is in progress.

The programme is being attended by 31 participants from 16 Third World Countries viz. Afghanistan, Bangladesh, Cuba, Ethiopia, Ghana, Jordan, Lao, Malawi, Nepal, Nigeria, Philippines, Syria, Sri Lanka, Trinidad and Tobago, Uganda and Zimbawe.

TRAINING PROGRAMMES

Orientation Programme for Educational Planners and Administrators in Implementation of New Education Policy with particular reference to Decentralised System of Educational Planning and Management and Intensive Training Programme on School Mapping. (March 6-10, 1989).

The Institute organised two orientation programmes for the resource persons in order to acquaint them with the decentralisation process of planning and management as emphasised in the NPE-1986. These resource persons in turn would conduct training in their States. The objectives of the programme were : to develop awareness about NPE, with particular reference to decentralised system of educational planning and management; to focus attention on thrust areas and their implementation strategies; and to enable participants to understand their role in the new structures and processes.

Second Training-cum-Visitation Programme in Institutional Planning and Quality Improvement for Education Officers, Heads of Institutions and Teachers of Lakshadweep (March 8-22, 1989).

The Institute organised a training-cum-visit programme for the Heads and Teachers of Lakshadweep with the objectives of : familiarising the participants about institutional planning at the elementary level; to help

contd...12.

the participants to gain insights from innovative ideas and practices regarding teacher effectiveness through visits, observation and interaction; to enhance their capabilities to bring about improvement in the teaching learning process; and to enable the participants to evolve an action plan for qualitative improvement of teachers role in the educational process and the quality of education.

The programme was attended by 26 participants from Lakshadweep,

Training Programme for Volunteers of Literacy Abhiyan - Tauru (Duh) Haryana (March 11, 1989)

Under the NIEPA's action research project in twenty villages of Punhana Block in Gurgaon District, Haryana in the series of sensitization programme for community leaders another one day Training Programme was organised part of their action plan in Senior Secondary School Tehsil - Gurgaon on March 11, 1989.

The main objectives of the training programme were to familiarise the volunteers with the learning materials and methods of using material, to spread awareness and to make the instructors aware about pedagogy involved in teaching the adults.

The programme was attended by 25 animators and volunteers from three villages of Tauru Block of Gurgaon District, Haryana.

WORKSHOP

Training-cum-Workshop of State NFE Directors on Computerised MIS for Education (March 10-11, 1989)

Project COPE (Computerised Planning for Education) organised a training-cum-workshop for the NFE directors of various states with the objective of familiarising the participants with the scope and future directions of COPE.

contd...13.

The programme was attended by 17 participants from 9 States - Andhra Pradesh, Bihar, Gujarat, Madhya Pradesh, Orissa, Rajasthan, Sikkim, Tamil Nadu, Uttar Pradesh and Union Territory of Chandigarh.

Seminar-cum-Workshop in Planning and Management of College Development Council for Directors of CDC and Directors of Higher Education (March 27-29, 1989).

At the request of UGC, the Institute organised a seminar-cum-workshop for Deans of College Development Councils and Directors of Higher Education with the objectives of preparation of perspective development plan and opening of new colleges; redesigning and restructuring of under-graduate courses; expansion of institutions of higher education keeping in view the socio-economic needs of the region, the methods and strategies of co-ordination between CDC, college, State Government, University and UGC; to discuss the problems and difficulties encountered by the CDC in effective performance of their role; and to work out planning and management strategies in order to play effective role in the implementation of the policy and programmes pertaining to collegiate education.

The Workshop was attended by 27 participants from various States.

Training-cum-Workshop for Electronic Agencies for the Implementation of COPE (Computerised Planning for Education) in the States of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Rajasthan and Haryana (March 30-31, 1989).

Project COPE organised a training-cum-workshop for the 4 electronic agencies namely HARTRON, UPTRON, RAJASTHAN COMPUTER DIRECTORATE AND NIIT with

contd...14.

the following objectives in mind : training on formats and software; scope of the project and nuances involved in its implementation; and likely problems in the field and how to tackle them.

The agencies also made a presentation of about minutes each on the second day to tell how they prepared to implement COPE in their respective state.

The workshop was concluded after a question answer session which was open to the house.

-o-